'राष्ट्रीय युवा पर्यावरण संसद' के दौरे की रिपोर्ट

राष्ट्रीय युवा पर्यावरण संसद दल (7 सदस्य) ने 23 जुलाई से 25 जुलाई, 2022 तक शिमला का दौरा किया । दौरे का समन्वयन हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा किया गया । इस दल ने पर्यावरण एवं वनों से संबन्धित विभिन्न मुद्दों पर संस्थान के वैज्ञानिकों/अधिकारियों, वन विभाग के अधिकारियों, शिमला के आसपास के स्थानीय समुदाय, विशेषकर युवाओं, ब्यूलिया पाठशाला के अध्यापकों एवं छात्र छात्राओं, नौणी मझगाँव पंचायत के प्रतिनिधियों एवं लोगों के साथ चर्चा की । राष्ट्रीय युवा पर्यावरण संसद ने दौरे के प्रथम दिन संस्थान में चल रहे अनुसंधान कार्यों, पर्यावरण एवं वनों से संबन्धित विभिन्न मुद्दों पर संस्थान के वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों के साथ चर्चा की । डॉ॰ संदीप शर्मा निदेशक (प्रभारी) ने संस्थान की गतिविधियों के बारे में उन्हें अवगत करवाया । उन्होनें आगे बताया कि संस्थान ने वानिकी हस्तक्षेप द्वारा सिंधु बेसिन की पाँच प्रमुख नदियों (ब्यास, चिनाब, रावी, सतलुज और झेलम) के जीर्णोद्धार के लिए, की विस्तृत डी.पी.आर. तैयार की है, जिसमें नदियों के जीर्णोद्धार हेतु विभिन्न पौधरोपण मॉडल, मृदा एवं जल सरंक्षण उपाय सुझाए गए हैं । उन्होंने इन नदियों की डी.पी.आर. बनाने की विस्तार में जानकारी दी और बताया कि इन नदियों की डी.पी.आर. की स्वीकृति पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार ने दे दी है । शीघ्र ही उपरोक्त डी.पी.आर. अंततः संबंधित राज्य वन विभागों अर्थात हिमाचल प्रदेश (ब्यास, चिनाब, रावी और सतलुज), जम्मू और कश्मीर केंद्रशाषित प्रदेश (झेलम, रावी और चिनाब) और पंजाब (ब्यास, रावी और सतलुज) द्वारा कार्यान्वित की जाएंगी । राष्ट्रीय युवा पर्यावरण संसद ने संस्थान में चल रहे अनुसंधान कार्यों की सरहाना की ।

दूसरे दिन राष्ट्रीय युवा पर्यावरण संसद दल ने शिमला कैचमेंट, कुफ़री एवं क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र शिलारू का दौरा किया । श्री रवि एस., डी.एफ.ओ., वाइल्ड लाइफ, शिमला ने कैचमेंट से संबन्धित जानकारी दल के साथ सांझा की । डॉ॰ प्रवीण रावत, वैज्ञानिक ने क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, शिलारू में टॉल प्लांटिंग एवं औषधीय पौधों के बारे उन्हे जानकारी दी ।

दौरे के अंतिम दिन दल के सदस्यों ने शिमला के आसपास के स्थानीय समुदाय, विशेषकर युवाओं के साथ वानिकी और पर्यावरण से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की । इस दल ने राजकीय वरिष्ठ मध्यमिक पाठशाला ब्यूलिया, शिमला के छात्रों को पर्यावरण संरक्षण पर जागरूक किया । दल ने छात्रों, अध्यापकों और हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला के वैज्ञानिकों और अधिकारियों के साथ मिलकर पाठशाला परिसर में काफल, पाजा, और जूनिपर के 25 पौधे लगाए । राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला, ब्यूलिया की प्रधानाचार्य श्रीमती निशा भलूनी ने दल का पाठशाला में आने एवं छात्र और छात्राओं को पर्यावरण सरंक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए

धन्यवाद किया । दौरे के अंत में दल ने नौणी- मझगाँव पंचायत, जिला सोलन मे जाकर पंचायत प्रतिनिधियों के साथ वानिकी और पर्यावरण के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की और पंचायत द्वारा विकसित सफल जल सरंक्षण मॉडल के बारे मे जानकारी ली । पंचायत प्रधान श्री मदन लाल व पूर्व प्रधान श्री. बलदेव सिंह ठाकुर ने जल संग्रहण मॉडल के सफलतापूर्वक कार्यान्वित करने के बारे में दल को विस्तार में बताया ।

राष्ट्रीय युवा पर्यावरण संसद दल के कोर्डिनेटर श्री संदीप ने बताया कि उनका मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण पर जागरूकता फैलाना है । उनका दल समस्त लोगों से प्राप्त जानकारी एवं दौरे के अनुभवों के आधार पर **राष्ट्रीय स्तर पर पर्यावरण संरक्षण से संबन्धित परियोजना** बनायेगा । उन्होंने डॉ॰ संदीप शर्मा, निदेशक (प्रभारी) का दल के दौरे के समन्वयन हेतु धन्यवाद किया । इसके अलावा, उन्होंने वैज्ञानिकों/अधिकारियों, वन विभाग के अधिकारियों, शिमला के आसपास स्थानीय समुदाय, ब्यूलिया पाठशाला के अध्यापकों एवं छात्र छात्राओं, नौणी पंचायत प्रतिनिधियों का उनके दौरे को सफल बनाने के लिए धन्यवाद किया ।

GOVT. SENIOR SECONDARY SCHOOL
Beolia, Shimla-171013

हिमाचल की पांच नदियों का होगा रेस्टोरेशन

वरिष्ठ संवाददाता ▮ शिमला

▮ **अप्रूवल के लिए भेजी डीपीआर को केंद्र की स्वीकृति**

हिमाचल प्रदेश की पांच प्रमुख नदियों के रेस्टोरेशन का कार्य जल्द ही शुरू होने जा रहा है। केंद्र सरकार को जो डीपीआर मंजूरी के लिए भेजी गई थी उसे अप्रूवल मिल गया है। जल्द ही इन नदियो के किनारे पौधरोपण, भूमि कटाव व जल संरक्षण का कार्य शुरू हो जाएगा। यह खुलासा हिमालयन वन अनुसंधान के निदेशक डॉ. संदीप शर्मा ने किया गया है। गौरतलब है कि राष्ट्रीय युवा पर्यावरण संसद दल (7 सदस्य) ने 23 जुलाई से 25 जुलाई को हिमालयन वन अनुसंधान संस्थानए शिमला का दौरा किया। इस दल ने पर्यावरण एवं वनों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर संस्थान के वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों के साथ चर्चा की। राष्ट्रीय युवा पर्यावरण संसद ने दौरे के प्रथम दिन संस्थान में चल रहे अनुसंधान कार्यों, पर्यावरण एवं वनों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर संस्थान के वैज्ञानिकों

शेष @ पेज 13

5 मुख्य नदियों की बनाई है डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट

संस्थान ने वानिकी हस्तक्षेप द्वारा सिंधु बेसिन की पांच प्रमुख नदियों के रेस्टोरेशन के लिए ब्यास, चिनाब, रावी, सतलुज और झेलम की विस्तृत डीपीआर तैयार की है, जिसमें नदियों के रेस्टोरेशन के लिए विभिन्न पौधरोपण मॉडल, मृदा एवं जल संरक्षण उपाय सुझाए गए है। डॉ. संदीप शर्मा ने इन नदियों की डीपीआर बनाने की विस्तार में जानकारी दी और बताया कि इन नदियों की डीपीआर की स्वीकृति पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय भारत सरकार ने दे दी है। उपरोक्त डीपीआर संबंधित राज्य वन विभागों अर्थात हिमाचल (ब्यास, चिनाब, रावी और सतलुज), जम्मू और कश्मीर (झेलम, रावी और चिनाब) व पंजाब (ब्यास, रावी और सतलुज) द्वारा कार्यान्वित की जाएगी।

हिमाचल की...

एवं अधिकारियों के साथ चर्चा की। संस्थान के निदेशक डॉ. संदीप शर्मा ने संस्थान की गतिविधियों के बारे में उन्हें अवगत करवाया। टीम के को-ऑर्डिनेटर संदीप बलयान ने बताया कि उनका मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण पर जागरुकता फैलाना है। उनका दल वैज्ञानिकों, अधिकारियों, स्थानीय समुदाय, युवाओं, बच्चों और दौरे से प्राप्त जानकारी के अधार पर राष्ट्रीय स्तर पर पर्यावरण संरक्षण से संबंधित योजना बनाएगा।